Result Mitra Daily Magazine

बहुआयामी गरीबी सूचकांक

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में जारी वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) के अनुसार दुनिया भर के 112 देशों में 6.3 बिलियन लोगों में से 1.1 बिलियन लोग तीव्र गरीबी में रहते हैं।
- भारत में गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 234 मिलियन (सर्वाधिक) है।

➢ MPI :

- यह रिपोर्ट 17 अक्टूबर (अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस) को ऑक्सफोर्ड गरीबी एवं मानव विकास पहल (OPHI) तथा UNDP के मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो पहली बार 2010 में जारी किया गया था।
- यह तीन मुख्य क्षेत्रों (स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जीवन स्तर) को कवर करने वाले 10 संकेतकों का प्रयोग कर तैयार किया जाता है।
- इसका उद्देश्य SDG–1 (गरीबी समाप्त करना) की प्राप्ति में सहायता करता है, साथ ही SDG–1,2,3,4,5,6,7 एवं 11 से संबंधित संकेतकों का मापन भी करता है।

➢ क्षेत्र एवं संकेतक :

क्षेत्र - संकेतक

शिक्षा :– (i) स्कूली वर्ष
(ii) स्कूली उपस्थिति

स्वास्थ्य :– (i) पोषण
(ii) बाल मृत्यु दर

जीवन स्तर :– (i) खाना बनाने वाले ईंधन
(ii) स्वच्छता
(iii) पीने का जल
(iv) बिजली
(v) घर
(vi) संपत्ति

➢ MPI और गरीबी :

- विश्व बैंक के अनुसार गरीब वे हैं, जिनके पास पर्याप्त आय या उपभोग नहीं है, जो उन्हें किसी उचित न्यूनतम सीमा से ऊपर रख सके।
- MPI व्यक्तिगत और सूक्ष्मता से गरीबी मापता है और इसके अनुसार, अगर कोई व्यक्ति 10 संकेतकों में से ⅓ से ज्यादा संकेतकों से वंचित है तो वह MPI की श्रेणी में आता है।
-

➢ आंकड़े :

- दुनिया भर में (112 देशों में) 18.3 % आबादी गरीबी में है, जिसमें 50% से ज्यादा आबादी 18 वर्ष से कम उम्र के हैं।
- 2005–06 से 2015-16 के बीच MPI 55.1 % से घटकर 27.7% हो गया अर्थात इस अवधि में 271 मिलियन लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए।
- वर्तमान में 455 मिलियन गरीब लोग हिंसा प्रभावित देशों में रह रहे हैं।
- भारत का MPI मान 0.069 है, जबकि सर्वोच्च मान नाइजर (0.601) का है।
- सबसे कम मान सर्बिया (0) का है, जहां MPI बिल्कुल नहीं है।

➢ Top–5 देश :

- नए रिपोर्ट के अनुसार, सर्वाधिक गरीब लोगों के मामले में Top–5 देश निम्न है :

1. भारत – 234 मिलियन (मध्यम श्रेणी)
2. पाकिस्तान – 93 मिलियन
3. इथोपिया – 86 मिलियन
4. नाइजीरिया – 74 मिलियन
5. कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य – 66 मिलियन

➢ नीति आयोग का MPI :

- नीति आयोग ने UNDP और OPHI के सहयोग से 2021 में राष्ट्रीय MPI जारी किया था।
- यह अल्किरे फोस्टर पद्धति का उपयोग करता है, जिसमें 12 संकेतकों का प्रयोग किया जाता है।
- यह सूचकांक राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 4 (2015-16) एवं 5 (2019-21) पर आधारित था।
- नीति आयोग के दो अतिरिक्त संकेतकों में (i) मातृ स्वास्थ्य एवं (ii) खाता (A/C) शामिल है।

Result Mitra TM

- सूचकांक के मुताबिक, पिछले 9 वर्षों में भारत में 24.82 करोड लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं, जिसमें UP एवं बिहार आगे हैं।

➢ गरीबी पर समिति :

- अब तक 6 आधिकारिक समितियां द्वारा भारत में गरीबी का अनुमान लगाया गया है, जो है :

1. **वी. एन. दांडेकर एवं एन. रथ समिति (1972)**
2. **योजना आयोग कार्य समूह (1962)**
3. **वाई. के. अलघ समिति (1979) :–** इसने 1973–74 के मूल्य स्तरों पर 49.1 रुपए प्रति व्यक्ति महीना (ग्रामीण) एवं 56.7 रुपए प्रति व्यक्ति महीना (शहरी) से निम्न उपभोग वाले गरीब माना।
4. **डी.टी. लकड़ावाला समिति (1993) :–** इसने कैलोरी (शहरी क्षेत्र–2100 एवं ग्रामीण क्षेत्र–2400) प्रति व्यक्ति के आधार पर 'गरीबी' का निर्धारण किया।
5. **सुरेश तेंदुलकर समिति (2009) :–** इसने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में क्रमशः 33 रुपए एवं 27 रुपए प्रतिदिन से कम खर्च करने वाले को गरीब माना।
6. **सी. रंगराजन समिति (2014) :–** इसने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में क्रमशः 47 रुपए और 32 रुपए प्रतिदिन से कम खर्च करने वाले को गरीब माना।

Note :– सरकार ने सी. रंगराजन समिति की रिपोर्ट पर कोई फैसला नहीं किया है और भारत में गरीबी का निर्धारण तेंदुलकर समिति की सिफारिश पर ही किया गया है, जिसके अनुसार भारत में 21.9% लोग गरीब हैं।

Result Mitra